



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 255] नई दिल्ली, सोमवार, जून 25, 1990/आषाढ़ 4, 1912

No. 255] NEW DELHI, MONDAY, JUNE 25, 1990/ASADHA 4, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

विधि और न्याय मंत्रालय

(न्याय विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 जून, 1990

सा.का.वि. 599 (4) ---मिजोरम राज्य अधिनियम 1986 (1986 का 34)
की धारा 21 की उपधारा (2) के अधीन संसदीय द्वारा किए गए निम्नलिखित आदेश को
उप उपधारा द्वारा संशोधित एवं इस प्रकार प्रकाशित किया जाता है अर्थात् ---

गुवाहाटी उच्च न्यायालय (ऐजबाल में एक स्थायी पीठ की स्थापना) आदेश 1990।
मिजोरम राज्य अधिनियम 1986 (1986 का 34) की धारा 21 की उपधारा
(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए गुवाहाटी उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश
और मिजोरम के राज्यपाल के साथ परामर्श करने के बाद राष्ट्रपति निम्नलिखित आदेश
करते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) यह आदेश गुवाहाटी उच्च न्यायालय (ऐजबाल में एक स्थायी पीठ की स्थापना) आदेश 1990 कहलाया जा सकेगा। यह आदेश
जुलाई, 1990 के पाँचवें दिन प्रवृत्त होगा।

(2) ऐजबाल में गुवाहाटी उच्च न्यायालय की एक स्थायी पीठ की स्थापना :—

ऐजबाल में गुवाहाटी उच्च न्यायालय की एक स्थायी पीठ स्थापित की जाएगी और
गुवाहाटी उच्च न्यायालय के ये न्यायाधीश जो संख्या में दो में कम नहीं होंगे, जिन्हें सभ्य
समय पर उस उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा नामित किया जाए, मिजोरम राज्य
में उत्पन्न मुकदमों के संबंध में गुवाहाटी उच्च न्यायालय में एक समय निहित अधिकांश
क्षेत्र और शक्तियों का प्रयोग करने के लिए ऐजबाल में बैठेंगे।

बशर्ते कि उस उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश स्वेच्छा से यह आदेश कर सकते
हैं कि मिजोरम राज्य में उत्पन्न किसी मुकदमे या मुकदमों की किसी श्रेणी की सुनवाई
गुवाहाटी में होगी।

नई दिल्ली,

22 जून, 1990

राष्ट्रपति

[फाइल नं. के 11018/1/90—डिस्क-I]

धर. श्रीनिवासन, अपर सचिव

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE

(Department of Justice)

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd June, 1990

G.S.R. 599(E).—The following order made by the President under sub-section (2) of section 21 of the State of Mizoram Act, 1986 (34 of 1986), is hereby published as required by that sub-section namely :—

THE GAUHATI HIGH COURT (ESTABLISHMENT OF A PERMANENT BENCH AT AIZAWL) ORDER, 1990

In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 21 of the State of Mizoram Act, 1986 (34 of 1986), the President after consultation with the Chief Justice of the Gauhati High Court and the Governor of Mizoram, is pleased to make the following order, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) This order may be called the Gauhati High Court (Establishment of a Permanent Bench at Aizawl) Order, 1990.

(2) It shall come into force on the 5th day of July, 1990.

(2) Establishment of a permanent Bench of Gauhati High Court at Aizawl.—There shall be established a permanent Bench of the Gauhati High Court at Aizawl and such Judges of the Gauhati High Court, being not less than two in number, as the Chief Justice of that High Court may, from time to time, nominate, shall sit at Aizawl in order to exercise the jurisdiction and powers for the time being vested in the Gauhati High Court in respect of cases arising in the State of Mizoram.

Provided that the Chief Justice of that High Court may, in his discretion, order that any case or class of cases arising in the State of Mizoram shall be heard at Gauhati.

New Delhi,

22nd June, 1990

PRESIDENT

[F. No. K. 11018/1/90-Desk-I]

R. SRINIVASAN, Addl. Secy.

